# वार्षिक प्रतिवेद

2011-12

भारतीय प्रौद्यागिकी संस्थान गाँधीनगर
विश्वकर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय
चाँदखेड़ा, अहमदाबाद - 382 424

# अनुक्रम

निदेशक की कलम से
दृष्टिकोण, लक्ष्य और मूल्य
शैक्षिक
अवसंरचना एवं सुविधाएँ
संकाय कार्यकलाप
छात्र कार्यकलाप
अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के लिए खेलकूद
संगठन

**निदेशक की कलम से** 1

**दृष्टिकोण लक्ष्य और मूल्य** 3
दृष्टिकोण कथन 4
- ध्येय
- दृष्टिकोण
- लक्ष्य
- मूल्य
- सिद्धांत

**शैक्षिक** 5
प्रदत्त कार्यक्रम 6
- अवर-स्नातक
- स्नातकोत्तर (एम.टेक. तथा डी.आई.आई.टी)
- विद्यावाचस्पति (डॉक्टरल)

बृहद उपलब्धियाँ 6
- शैक्षिक सलाहकार परिषद बैठक
- लीडरशिप कॉन्क्लेव
- नया अवरस्नात्क पाठ्यक्रम
- सर्वोत्कृष्ट शैक्षिक निष्पादन को मान्यता
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर कनिष्ठ अध्येतावृत्ति
- नया एम.टेक. पाठ्यक्रम
- इंडिया की खोज : भा प्रौ सं गाँधीनगर एवं कैल्टेक के छात्रों द्वारा भारत के भूत, वर्तमान और भविष्य में अवगाहन
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत उपाधिरहित छात्र कार्यक्रम
- सम्मेलनों में भाग लेने के लिए छात्रों को वित्तीय सहयता
- विद्यावाचस्पति जल्द आरंभ करने के लिए अध्येतावृत्ति
- भा प्रौ सं संकाय सदस्यों के लिए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अध्येतावृत्ति
- युवा शोधार्थी कॉनक्लेव (वाई आर सी)
- भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पी आर एल) एवं भा प्रौ सं गाँधीनगर पारस्परिक सहयोग
- संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार
- अन्य अभियाँत्रिकी संस्थानों के संकाय सदस्यों हेतु ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अवसर
- संस्थान अध्येता पुरस्कार
- बाल शिक्षा निधि
- कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार
- कर्मचारी दक्षता विकास पहल

छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ 11
- नई मेधा छात्रवृत्तियाँ
- योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति
- एस सी मेहरोत्रा छात्रवृत्ति
- गीता एवं पृथ्वीश गोस्वामी छात्रवृत्ति

विशिष्ट मादन प्राध्यापक 13
अतिथि प्राध्यापक 13
विशिष्ट अभ्यागत 15
- अन्य अभ्यागत

सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / संगोष्ठियाँ 18
आमंत्रित व्याख्यान 19
अल्पावधि पाठ्यक्रम 19

**अवसंरचना एवं सुविधाएँ** 21
पुस्तकालय 22
कम्प्यूटर केन्द्र 22
चिकित्सा सुविधाएँ 22
प्रयोगशाला सुविधाएँ 24
- रासायनिक अभियाँत्रिकी
- रसायनशास्त्र

- सिविल अभियाँत्रिकी
- विद्युत अभियाँत्रिकी
- याँत्रिकी अभियाँत्रिकी
- भौतिकी

नये भवन 28
संस्थान मास्टर प्लान 28

**संकाय कार्यकलाप** 29
प्रायोजित परियोजनाएँ 30
- प्रायोजित परियोजनाएँ वर्ष 2011-12 के दौरान
- चालू परियोजनाएँ

परामर्शदायी परियोजनाएँ 31
- चालू परामर्शदायी परियोजनाएँ

मानद कार्य 32
पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ 32
शैक्षिक व्याख्यान 34
अन्य संकाय कार्यकलाप 35
प्रकाशन 38
- पुस्तकें
- पुस्तकों में पाठ
- प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित अभिपत्र
- सम्मेलन कार्यवाहियों में प्रकाशित अभिपत्र
- सम्मेलनों में प्रस्तुत अभिपत्र

**छात्र कार्यकलाप** 43
सह-पाठ्यक्रम कार्यकलाप 44
- अमाल्थिया 2011
- महफिल-ए-आदाब : ऊर्दू काव्य संध्या
- मीन मैकेनिक्स 2011
- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
- जीवन दक्षता माला
- मुन्द्रा अतिक्राँतिक बिजली घर की यात्रा
- अन्तर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जिमखाना शिखर सम्मेलन 2011

पाठ्यक्रमेत्तर कार्यकलाप 46
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में बी.टेक.छात्रों हेतु ग्रीष्मकालीन कैंप
- अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक त्यौहार
- ब्लिथक्रॉन 12 : सांस्कृतिक त्यौहार
- अन्तर्राष्ट्रीय वन वर्ष
- वर्ष 2011 की संगीत सनसनी (MuSTY)
- कॉग्नोबाइट्स - मस्तिष्क का विज्ञान
- सिने एप्स
- अन्य छात्र कार्यकलाप

विशेष अवसर 47
- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- गणतत्र दिवस समारोह

पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ 48
- कैल्टेक अंतरीक्ष चुनौती में भा प्रौ सं छात्र के अभिकल्प को विजयश्री
- संकायाध्यक्ष सूची (डीन्स लिस्ट) समारोह
- खेलकूद में विशिष्ट पुरस्कार

खेल समाचार 48
- हल्ला बोल
- अन्तर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तैराकी महोत्सव 2011
- 47वाँ अन्तर-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल महोत्सव 2011
- खेल महाकुंभ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर को बॉस्केट बॉल में जीत
- पेट्रो कप 12

- अन्तर - विभागीय बॉस्केटबॉल चैंपियनशीप
- अन्य खेलकूद प्रतिस्पर्धाएँ

**अन्तर्राष्ट्रीय संबंध** 51
- कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पसादेना, अमरीका
- वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लूइस, अमरीका
- ड्यूक विश्वविद्यालय, दरहम, अमरीका
- नान्यांग प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर
- सास्केचवान विश्वविद्यालय, सास्कतून, कनाडा
- एकोल पॉलिटेक्निक फेडराले डी लौसाने, स्वीटजर्लैण्ड
- र्‌होडे आइलैण्ड यूनिवर्सिटी, किंग्स्टन, अमरीका
- द जॉन हॉफकिन्स विश्वविद्यालय, अमरीका
- नाटेरडम विश्वविद्यालय, इंडियाना, अमरीका
- वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सीट्टल, अमरीका
- ISCTE - लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान
- अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला नार्थब्रुक, अमरीका
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर - रिको इन्वोवेशन्स इंक (RII)
- अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से समझौता ज्ञापन
- प्रथम बैच के छात्रों के नाम जो संभवत: अमरीका में उच्चाध्ययन के लिए जाएँ
- विदेशी विश्वविद्यालयों / संगठनों में ग्रीष्म इंटर्नशिप

अन्य घटनाएँ एवं कार्यकलाप 56
- मंचेस्टर कॉलेज, इंडियाना के छात्रों का भा प्रौ सं गाँधीनगर का दौरा
- बाहर तक पहुँच

**भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर हेतु सहयोग** 57

गुजरात सरकार से प्राप्त बड़ा अनुदान 58
प्रौद्योगिकी परिपोषण एवं उद्यमशीलता विकास केन्द्र 58
भारत सरकार द्वारा भा प्रौ सं गाँधीनगर में स्थापित पीठ (चेयर) 58
सौर ऊर्जा तंत्र में अनुसंधान को बढ़ावा 58
नेवतीया फाऊण्डेश से छात्रवृत्ति सहयोग 59
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में निलेकणी निधि 59
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में मोटवाणी निधि 59

**संगठन** 61

शासी मण्डल (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 62
वित्त समिति 63
भवन एवं निर्माण समिति 64
अनुषद् (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 65
अनुषद् की स्थायी समितियाँ (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 66
- अनुषद् शैक्षिक कार्य मूल्यांकन समिति (SAPEC)
- अनुषद शैक्षिक कार्यक्रम समिति (SAPC)
- अनुषद् पुस्तकालय समिति
- अनुषद् छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति (SSPC)
- अनुषद् छात्र कार्य समिति (SSAC)

शैक्षिक अधिकारी (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 67
प्रशासनिक अधिकारी (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 68
छात्र नेतृत्व 69
भा प्रौ सं गाँधीनगर के संकाय सदस्य (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 70
नियमित पदों पर नियुक्त शिक्षकेत्तर कर्मचारी 74
पीएच.डी छात्र (31 मार्च, 2012 को यथास्थित) 75
- भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) पीएच.डी छात्र

एम.टेक. 2011 बैच के छात्र 76
2008 बैच के प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) छात्रों की सूचि 77
2009 बैच के प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) छात्रों की सूचि 78
2010 बैच के प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) छात्रों की सूचि 79
2011 बैच के प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) छात्रों की सूचि 81

# निदेशक की कलम से

आज हमारा संस्थान समय के एक अत्यंत रोचक विन्दु पर खड़ा है । यह लगभग चार वर्ष का हो चुका है और इसके पहले बैच के छात्र अब स्नातक होकर अपने जीवन के नये परिवेश में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं । यह एक क्रांतिक विन्दु है जहाँ से पीछे मुड़ कर देखना चाहिए कि गत एक वर्ष में संस्थान की उपब्धियाँ क्या रही हैं । पहले कुछ तथ्य -

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के लिए उत्कृष्ट संकाय सदस्यों की नियुक्ति हेतु हमने जो अद्वितीय रणनीति अपनाई थी वह हमारी अपेक्षा से भी अधिक सफल और बेहतर साबित हुई है । इस रणनीति के महत्वपूर्ण घटक हैं - क) पूरी दुनिया के शिक्षाविदों, पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ताओं तथा स्नातक छात्रों के साथ व्यापक जनसंपर्क अभियान, ख) यथाशीघ्र निर्णय लेकर नियुक्ति प्रस्ताव भेजना, ग) उत्कृष्ट शोधकार्य अध्येतावृत्ति प्रदान करके दानस्वरूप प्राप्त राशि से अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना, तथा घ) प्रत्याशी की विशेषज्ञता की अपेक्षा उसकी उत्कृष्ट योग्यताओं पर ध्यान देना ।
2. संस्थान पूरी दुनिया से ख्यातिनाम शिक्षाविदों को अभ्यागत के रूप में आमंत्रित करता है । उदाहरणार्थ समीक्षा वर्ष के दौरान लिस्बन के एक प्राध्यापक ने संस्थान में आकर नृविज्ञान का अध्यापन किया, फ्रांस के एक युवा शिक्षक ने फ्रेंच भाषा का शिक्षण किया, स्वीटजर्लैण्ड के ई पी एफ एल पॉलिटेक्निक के एक शिक्षक ने याँत्रिकी अभियाँत्रिकी में पाठ्यक्रम प्रदान किया ।
3. संस्थान ने समीक्षा वर्ष के दौरान आश्यचर्यजनक नवपरिवर्तन सहित अत्याधुनिक बी.टेक. एवं एम.टेक. पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन किया । नये बी.टेक. कार्यक्रम का आरंभ अब एक अद्वितीय पंचसाप्ताहिक फाऊण्डेशन कार्यक्रम के साथ किया जाता है जिसमें छात्रगण सृजनात्मकता, नैतिक मूल्य, सांस्कृतिक मुद्दों, सामाजिक सरोकारों, खेलकूद एवं शारीरिक तंदुरूस्ती आदि पर विशेष ध्यान देते हैं ।
4. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने एक परिपोषण (इन्कुबेशन) केन्द्र हेतु वित्तपोषण प्रदान किया है । भारत सरकार के भू विज्ञान विभाग ने संस्थान में भूतंत्र विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी हेतु वाराहमिहिर पीठ की स्थापना किया है । गुजरात सरकार ने जैव-चिकित्सा अभियाँत्रिकी में उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना हेतु रू. 10 करोड़ की मंजूरी प्रदान किया है ।
5. संस्थान के स्थाई परिसर हेतु भूमि अधिग्रहण का रास्ता साफ हो चुका है । एक भावी मास्टर प्लान भी लगभग तैयार हो चुका है । संस्थान एक ऐसा परिसर बनाने पर जोर दे रहा है जहाँ संकाय सदस्यों एवं छात्रों तथा अभ्यागत विभिन्न आगंतुक विद्वानों और परिसर समुदाय का आपस में पारस्परिक आदान-प्रदान हो सके । संस्थान के लिए एक हरित परिसर बनाने की योजना तैयार की गयी है जहाँ पर कम से कम ऊर्जा की खपत से काम हो सके ।

जैसे-जैसे हमारा विकास होगा हमें अपनी खोज वृत्ति एवं उद्यमशीलता, उत्साही वातावरण जहाँ लोग निर्भय रह कर शोधाध्ययन और चुनौतियँ स्वीकार करने की सामर्थ्य प्राप्त करें और नई खोजें करते समये होने वाली गलतियों से भयमुक्त रहकर निरंतर आगे बढते रहें....

निश्चय ही इस समय संस्थान में ऐसा कुछ घटित हो रहा है जिस पर संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों सहित संस्थान के शुभेच्छुओं, सहयोगियों और इष्टमित्रों को गर्व का अनुभव होगा । तथापि हमें अभी बहुत आगे जाना है । संस्थान के लिए हम जो अच्छे काम करते रहे हैं, आगे भी करते रहेंगे । आगामी वर्षों में संस्थान को निम्नांकित नये क्षेत्रों में अपना ध्यान केन्द्रित करना है :

1. स्थाई परिसर का विकास जो दशकों तक संसार भर के शिक्षाविदों और विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित करता रहे ।
2. उत्कृष्ट पीएच.डी. एवं एम.टेक. छात्रों का नियोजन जो कि अपने कार्यों के माध्यम से देश का नाम रौशन करें ।
3. दानदाताओं से प्राप्त अनुदान राशि से उत्कृष्टता प्रतिपादन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना ताकि सार्वजनिक निधि से प्राप्त वित्तपोषण का उपयोग करने की आवश्यकता न पड़े । दानदाताओं से अनुदान प्राप्ति को और अधिक बढ़ाना ।
4. शैक्षिक एवं उद्योग जगत से रणनीतिक भागीदारी बढ़ाना । एक ओर जहाँ हम विश्व के शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों के साथ भागीदारी बढ़ाना चाहेंगे वहीं दूसरी ओर देश के सर्वोत्तम अवरस्नातक महाविद्यालयों के साथ मिलकर भी कार्य करेंगे ।

अपने छोटे से जीवनकाल में संस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं जो कि हमारे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों के कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास तथा संस्थान के शुभचिंतकों, इष्टमित्रों के सहयोग, शासी मण्डल तथा अनुषद के सदस्यों के प्रेरणा-प्रोत्साहन एवं भारत सरकार तथा गुजरात सरकार के अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन का प्रतिफल है । विश्वकर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय, चाँदखेड़ा के प्राचार्य, संकाय सदस्यों और छात्रों से हमें एक उदार मेजवान के रूप में हमें सहयोग मिलता रहा है । हमारे छात्रों के निवास हेतु अदानी समूह द्वारा दिए गये फ्लैट्स उनके औदार्यपूर्ण सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है । छोटी सी कालावधि में संस्थान द्वारा अपने शुभचिंतकों के माध्यम से उपार्जित वित्तीय सहयोग अनेक संगठनों के लिए ईर्ष्या का विषय हो सकता है जिनके पास पूर्वछात्रों का एक बहुत बड़ा संगठन साथ खड़ा है ।

फिलहाल संस्थान के लिए यह दावा करना बहुत जल्दीबाजी होगी कि हम सामाजिक सरोकारों से संबंधित विषयों पर पर्याप्त और विश्वस्तरीय शोध कार्य कर रहे हैं, तथापि संस्थान इस बात का दावा जरूर कर सकता है कि हमने पाठ्यक्रम निर्माण एवं प्रशासनिक प्रणाली में काफी अनुसंधान किया है । संस्थान में आगंतुक कोई भी अभ्यागत तुरंत यह समझ जाता है कि संस्थान के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है । जैसे-जैसे हमारा विकास होगा हमें अपनी खोज वृत्ति एवं उद्यमशीलता, उत्साही वातावरण जहाँ लोग निर्भय रह कर शोधाध्ययन और चुनौतियँ स्वीकार करने की सामर्थ्य प्राप्त करें और नई खोजें करते समये होने वाली गलतियों से भयमुक्त रहकर निरंतर आगे बढते रहें, आदि की वर्तमान प्रवृत्ति को कायम रखने के लिए नित-नये रास्ते तलाशने होंगे । हमें ज्ञात है कि हम पर काफी अधिक निवेश किया जा रहा है जो देश के अधिकांश लोगों को एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सुलभ नही है, एतद्वारा हमारा उत्तरदायित्व बढ़ जाता है कि हम अपने लक्ष्य से न भटकें और अपने गंतव्य को हाशिल करने के लिए सार्थक प्रयास करते रहें ।

# दृष्टिकोण लक्ष्य और मूल्य

ध्येय
दृष्टिकोण
लक्ष्य
मूल्य
सिद्धांत

## ध्येय

- एक विश्वस्तरीय शैक्षिक संस्थान का निर्माण करना जहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति के स्तर पर ऐसी शिक्षा प्रदान की जाए जिससे राष्ट्र तथा संपूर्ण मानवता के विकास में योगदान किया जा सके।
- सृजनात्मक सोच, सामाज के प्रति जागृति एवं हमारे मूल्यों का आदर करने वाले वाले दूरदर्शी नेतृत्व का विकास करना ।
- सार्वभौमिक प्रभाव हेतु शिक्षण एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता प्रतिपादन ।
- राष्ट्रीय नितियों को प्रभावित करने वाले पथ-निर्धारक अनुसंधान में निरत होना ।
- सामाजिक समस्याओं के प्रति चिरस्थाई प्रौद्योगिकीय समाधान ढूंढना ।
- चिरस्थाई विकास हेतु अभिनत प्रौद्योगिकीय समाधान पर ध्यान केन्द्रित करना।
- राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में शैक्षिक और औद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी बनना ।
- शिक्षण एवं प्रशिक्षण के वास्तविक महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना ।
- मूल्याधारित पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों एवं समुदाय को समृद्ध करना ।
- संस्थानिक संस्कृति के रूप में उत्कृष्ट संचार दक्षता को प्रोत्साहन प्रदान करना ।
- छात्रों को केवल उनकी पहली नौकरी के लिए नहीं अपितु उनकी अंतिम नौकरी के लिए तैयार करना ।

## दृष्टिकोण

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए एक उत्तेजक स्थान के रूप में ढालना ।
- शिक्षण प्रक्रिया को इस रूप में स्थापित करना ताकि वह मुक्त, परिपूर्ण एवं आनंददायक अनुभव बन सके।
- समालोचक एवं सृजनात्मक मस्तिष्क का परिपोषण तथा उत्कृष्टता प्रतिपादन हेतु उन्हें नई ऊँचाईयों की ओर प्रेरित करने के लिए सक्षम वातावरण प्रदान करना ।
- ऐसा जीवंत वातावरण तैयार करना जहाँ आनेवाले कल के लिए अग्रगण्य अन्वेषक, वैज्ञानिक, अभियंता, उद्यमी, शिक्षविद् और विचारक पैदा किए जा सकें ।
- छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान करना ताकि वे जहाँ से भी चाहें, जैसे भी चाहें और जो भी चाहें, वह पढ़ सकें ।
- भावी पीढ़ी के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर को वरियताप्राप्त गंतव्य बनाना ।

## लक्ष्य

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं संबंधित क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर उच्चस्तरीय वैज्ञानिक, अभियंता, नेता एवं उद्यमियों का विकास करना चाहता है जो समाज के वर्तमान और भावी जरूरतों को पूरा कर सकने में योगदान कर सकें । वस्तुत: महात्मा गाँधी की भूमि में, उनके उच्चा नैतिक मूल्यों और समाज सेवा के भाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर समाजोपयोगी शोधकार्य करने की प्रतिबद्धता प्रकट करता है तथा ऐसे उद्पादों का विकास करना चाहता है जो समाज के दैनिक जीवन को सुधारने में सहायक हो सकें ।

## मूल्य

- योग्यता (मेरिटोक्रेसी)
- असाधारण गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता
- ईमानदारी, अखण्डता, निष्कपटता तथा लगन
- विश्वास एवं जवाबदेही युक्त स्वतंत्रता
- सृजनात्मकता की प्रशंसा एवं समारोह
- नये विचारों का प्रतिपादन एवं गलतियों के लिए क्षमत्व
- सामाजिक एवं नैतिक उत्तरदायित्व
- प्रत्येक व्यक्ति के लिए आदर एवं विविधता
- सहयोग, सहयोजन एवं सामुहिक कर्मठता

## सिद्धांत

- आजीवन सीखते रहने की प्रतिबद्धता
- योग्यता को प्रोत्साहन
- कार्य के प्रति जूनून एवं अभिप्रेरण
- पेशेवराना अंदाज
- कानून के प्रति आदर
- समाजोत्थान के प्रति सरोकार
- संस्थान के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता
- संस्थान के प्रति समर्पण

# शिक्षक

प्रदत्त कार्यक्रम
कुछ विशिष्टताएँ
छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ
विशिष्ट मानद प्राध्यापक
अतिथि प्राध्यापक
विशिष्ट अभ्यागत
सम्मेलन / परिसंवाद / कार्यशाला / संगोष्ठियाँ
अल्पावधि पाठ्यक्रम
आमंत्रित व्याख्यान

## प्रदत्त कार्यक्रम

### अवर-स्नातक (बी.टेक्.)

रासायनिक अभियाँत्रिकी
वैद्युत अभियाँत्रिकी
याँत्रिकी अभियाँत्रिकी

### स्नातकोत्तर (एम.टेक्. तथा भा प्रौ सं उपाधिपत्र)

रासायनिक अभियाँत्रिकी
सिविल अभियाँत्रिकी
वैद्युत अभियाँत्रिकी (जुलाई 2012 से आरंभ)
पदार्थ विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी (जुलाई 2012 से आरंभ).)
याँत्रिकी अभियाँत्रिकी (जुलाई 2012 से आरंभ)
अभियाँत्रिकी में स्नातकोत्तर उपाधिपत्र (डी.आई.आई.टी)

### विद्यावाचस्पति (डॉक्टरल)

रासायनिक अभियाँत्रिकी
रसायनशास्त्र
सिविल अभियाँत्रिकी
संज्ञानात्मक विज्ञान
अर्थशास्त्र
वैद्युत अभियाँत्रिकी
अंग्रेजी
गणित
याँत्रिकी अभियाँत्रिकी
दर्शनशास्त्र
भौतिकी
समाजशास्त्र

## बृहद उपलब्धियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर शिक्षा जगत में अग्रणी भूमिका निभाने के साथ साथ एक नई धारा का प्रणयन करने की आकांक्षा रखता है । अपने इस प्रयास में संस्थान अपने लक्ष्य और दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में नये नये प्रयोग करने और नई पहल को प्रोत्साहित और प्रेरित करता है। इस दिशा में हाल ही में उठाए गये कुछ विशिष्ट कदमों का उल्लेख नीचे दिया जा रहा है ।

### शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक

संस्थान में एक शैक्षिक सलाहकार परिषद का गठन किया गया है जो संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों जैसे संकाय भर्ती, युवा संकाय सदस्यों की संस्थान प्रशासन में भूमिका, संस्थान की प्रगति हेतु एक पुनर्निवेशन कार्यविधि तैयार करने और संस्थान हेतु एक शैक्षिक मास्टर प्लान एवं प्रशासनिक ढांचा बनाने में मार्गदशन प्रदान करे । इस परिषद में अपने संबंधित क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त अनेक विद्वान जैसे **प्रा. बकुल ढोलकिया**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, **प्रा. पॉल जेनिंग**, पूर्व उपाध्यक्ष एवं प्रोवोस्ट, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पसादेना, संयुक्त राष्ट्र अमरीका, **प्रा. रिचर्ड मिल्लर**, अध्यक्ष, फ्रैंकलिन डब्ल्यू. ओलिन अभियाँत्रिकी महाविद्यालय, नीधम, एम.ए. संयुक्त राष्ट्र अमरीका, **प्रा. के.एन.पण्णिकर**, अध्यक्ष, केरल ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, तिरूवनंतपुरम्, **प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, **डॉ. आर. रंगराजन**, सह-प्राध्यापक, भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पी आर एल), अहमदाबाद, **प्रा. धीरज सांघी**, प्राध्यापक, संगणक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, **श्री प्रफुल्ल अनुभाई शाह**, अध्यक्ष, प्रबंधन मण्डल, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, **प्रा. सुहास पां. सुखात्मे**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई तथा **सतीस त्रिपाठी**, अध्यक्ष, न्यूयार्क राज्य विश्वविद्यालय, बुफैलो, संयुक्त राष्ट्र अमरीका आदि का समावेश है । सलाहकार परिषद की पहली बैठक 1 दिसम्बर, 2011 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गयी थी जिसमें विभिन्न विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया था । इस बैठक के कुछ क्षणचित्र निम्नांकित वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं - http://www.iitgn.ac.in/administration_aac.html

शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक

लीडरशिप कॉन्क्लेव

## लीडरशिप कॉन्क्लेव

संस्थान प्रतिवर्ष देश विदेश के अनेक गणमान्य विद्वानों को संस्थान में एक दिवसीय लीडरशिप कॉन्क्लेव के लिए आमंत्रित करता है ताकि उनके अनुभव और विचारों का लाभ संस्थान के विकासात्मक कार्यों में लिया जा सके । इन महानुभावों के अनुभवजन्य उत्कृष्ट विचार संस्थान द्वारा अल्पावधि एवं दीर्घावधि रणनीतिक कार्यों में उत्कृष्टता प्रतिपादन के हेतु किए जा रहे प्रयासों में एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं । दूसरा लीडरशिप कॉन्क्लेव 2 दिसम्बर,2011 को आयोजित किया गया था । **प्रा. बकुल ढोलकिया**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, **प्रा. पॉल जेनिंग**, पूर्व उपाध्यक्ष एवं प्रोवोस्ट, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पसादेना, संयुक्त राष्ट्र अमरीका, **डॉ. अनिल काकोडकर**, अध्यक्ष, शासी मण्डल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, **श्री संजय लालभाई**, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अरविंद मिल्स प्रा. लि., अहमदाबाद, **डॉ. अचल मेहरा**, संपादक, लिटिल इंडिया ग्रुप, संयुक्त राष्ट अमरीका, **प्रा. रिचर्ड मिल्लर**, अध्यक्ष, फ्रैंकलिन डब्ल्यू. ओलिन अभियाँत्रिकी महाविद्यालय, नीधम, एम.ए. संयुक्त राष्ट्र अमरीका, **श्री कमल नानावटी**, अध्यक्ष, रणनीति विकास, रिलायंस इंस्ट्रीज लिमिटेड, **श्री कुशल सचेती**, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गैलेक्सी, न्यू यार्क, **श्री महेश्वर साहू**, मुख्य सचिव, उद्योग एवं खनन, गुजरात सरकार, **प्रा. धीरज सांघी**, प्राध्यापक, संगणक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, **श्री अरविंद सिंघल**, अध्यक्ष टेक्नोपार्क एडवाइजर्स प्रा. लि. गुडगाँव, **प्रा. सुहास पां. सुखात्मे**, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, **प्रा. सतीस त्रिपाठी**, अध्यक्ष, न्यूयार्क राज्य विश्वविद्यालय, बुफैलो, संयुक्त राष्ट्र अमरीका सहित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर कुछ संकाय सदस्यों ने इस में भाग लिया । इस कॉन्क्लेव में संस्थान से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे - संस्थान की आकांक्षाएँ, विशेषत: संस्थान के स्थाई परिसर के मद्देनजर अपेक्षित अवसंरचनाओं के सृजन एवं विकास, वित्तपोषण रणनीति तथा विभिन्न शैक्षिक, औद्योगिक एवं सरकारी अभिकरणों से सहभागिता बढ़ाने संबंधी मामलों पर गहन विचार-विमर्श किया गया । कॉन्क्लेव के कुछ क्षणचित्र इस वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं - http://www.iitgn.ac.in/administration_leadership.html

## नया अवरस्नातक पाठ्यक्रम

शैक्षिक वैच 2011 से लागू भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने अपने नये **अवरस्नातक पाठ्यक्रम** का शुभारंभ किया । शैक्षिक वैच 2011 हेतु आयोजित पाँच सप्ताह (19 जुलाई से 23 अगस्त 2011) का एक अद्वितीय फाउण्डेशन कार्यक्रम इस पाठ्क्रम की विशेषता रहा । इस कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता, मूल्याधारित जीवन, सृजनात्मकता, खेलकूद तथा शारीरिक शिक्षा, टीम वर्क तथा संप्रेषण आदि जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया । 19 जुलाई 2011 को इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर **श्री एन. आर. नारायणमूर्ति,** पूर्व अध्यक्ष, इन्फोसिस ने छात्रों का संबोधन किया । इस कार्यक्रम में विभिन्न कार्यकलाप जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, विचारमंथन, विविध विषयों पर कार्यशाला (मुक्त हस्त आरेखण, मृदा प्रतिरूपण, कागजी हस्तकला (ओरिगैमी), छायाचित्रण, नृत्य एवं नाट्य), विशेष अभिरूचि के स्थानों का भ्रमण, विशिष्ट व्यक्तियों के प्रस्तुतिकरण, संगीत कार्यक्रम तथा विभिन्न खेलकूद आदि का आयोजन किया गया । विशिष्ट वक्ताओं में **सुश्री कल्पना शर्मा** (लैंगिक मुद्दे), **प्रा. के. पी. जयशंकर** (शहरी गरीबी), **श्री जैदीप हार्दिकर** (किसान आत्महत्या), **श्री देविन्दर शर्मा** (कृषि क्षेत्र), **प्रा. सुदर्शन आयंगार**, **प्रा. पी. भलराम**, **प्रा. पी.वी.इंदिरेशन** तथा **प्रा. ए. पी. कुडचाडकर** प्रभृति का समावेश रहा। क्रमश: 11 अगस्त, 2011 मोहन वीणा पर **पं. विश्वमोहन भट्ट** तथा 18 अगस्त 2011 को **सुश्री आरती अंकलीकर-टिकेकर** द्वारा शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुती से भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । लोथल की यात्रा, पुराने अहमदाबाद शहर में हेरिटेज वाक, कैलिको टेक्सटाइल संग्रहालय, अहमदाबाद आदि की यात्राएँ आयोजित कर के छात्रों भारत की प्राचीन धरोहर से अवगत कराया गया ।

फाउण्डेशन कार्यक्रम के अंतिम दिन छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया और इसके माध्यम से अपनी निहित प्रतिभा का प्रदर्शन किया । 23 अगस्त 2011 को इस फाउण्डेशन कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भाग लिया । इस समारोह के माध्यम से गत पाँच सप्ताह में अर्जित अपने ज्ञान और अनुभव को छात्रों ने अन्य उपस्थित लोगों के साथ बांटा। छात्र महासचिव **अजिंक्य कुलकर्णी** ने नवागंतुक छात्रों को संस्थान के आदर्शों पर चलने और इसके नियमादि का समुचित पालन करने की शपथ दिलाया । फाउण्डेशन कार्यक्रम की झलक संस्थान के इस वेबसाइट पर देखी जा सकती है - http://www.iitgn.ac.in/iit_gallery16.htm

### सर्वोत्कृष्ट शैक्षिक निष्पादन को मान्यता

प्रत्येक सत्र में छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए संस्थान ने एक व्यवस्था कायम किया है । 8.5 अथवा अधिक एस पी आई और संस्थान की अनुषद द्वारा निर्धारित कुछ अन्य मानदण्डों पर खरा उतरने वाले सभी अवर-स्नातक छात्रों को **संकायाध्यक्ष सूचि** में शामिल किया जाता है । इस सूचि में शामिल प्रत्येक छात्र को संकायाध्यक्ष (शैक्षिक कार्यक्रम) की ओर से एक प्रशस्ति प्रमाणपत्र और एक समसामयिक पुस्तक प्रदान किया जाता है ।

### भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर कनिष्ठ अध्येतावृत्ति

शासी मण्डल ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसके माध्यम से संस्थान के स्नातक छात्र कुछ गैर-पारंपरिक तरिकों से अपने व्यावसायिक अभिरूचियों का संदोहन कर सकें । आरंभ में चार स्नातक छात्रों को **भा प्रौ सं गाँधीनगर कनिष्ठ अध्येतावृत्ति** प्रदान की जाएगी । अध्येतावृत्ति प्राप्त छात्र अपनी पसंद का कॅरियर चुनने से पूर्व संस्थान में विभिन्न प्रकार के कार्य करते हुए एक वर्ष व्यतीत करेगा ।

### नया एम.टेक. पाठ्यक्रम

रासायनिक अभियाँत्रिकी और सिविल अभियाँत्रिकी विषयों में एम.टेक. पाठ्यक्रम जुलाई 2011 से आरंभ हुआ जिसमें आरंभिक बैच में कुल 14 छात्रों को प्रवेश प्राप्त हुआ । वैद्युत अभियाँत्रिकी, याँत्रिकी अभियाँत्रिकी और पदार्थ विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी में एम.टेक. पाठ्यक्रम जुलाई 2012 से आरंभ किया जाएगा । सभी पाँचों एम.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश देने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गयी है ।

### इंडिया की खोज: भा प्रौ सं गाँधीनगर एवं कैल्टेक के छात्र मिलकर भारत के भूत, वर्तमान और भविष्य ...

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत कैल्टेक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के दस दस छात्रों ने एक दूसरे के साथ जोड़ी बनाकर दिसम्बर 12-21, 2011 के दौरान संस्थान में आयोजित एक अनोखे कार्यक्रम **भारत की खोज** के माध्यम से भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिवृत्त, वर्तमान और भविष्य का एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जिसमें व्याख्यान सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों की खोजपूर्ण यात्राओं का भी समावेश रहा । यह आयोजन भारत के असंख्य रंगों को एक बहुमूर्तिदर्शी यंत्र (कैलेडोस्कोप) के माध्यम से देखने जैसा था । इस कार्यक्रम में भारत से संबंधित विविध विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गये जिसमें भारत में जाति और समुदायिक संरचना, प्राचीन भारतीय सभ्यता, भूमण्डलीकरण एवं उदारीकरण की चुनौतियाँ, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मिडिया एवं विज्ञापन, आर्थिक सुधार एवं इन सुधारों का हमारी सभ्यता और बाजार पर प्रभाव, लोकतांत्रिक संस्थाएँ एवं गैर-शासकीय संगठन आदि का समावेश किया गया था । इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुप्रसिद्ध नर्तकी एवं सामाजिक कार्यकर्ती **डॉ. मल्लिका साराभाई** के करकमलों द्वारा किया गया । **श्री माइकल डेनिनो**, **प्रा. सुगना रामनाथन**, **श्री संतोष देसाई**, **प्रा. हावर्ड स्पोडेक** तथा **डॉ. संदीप पाण्डेय** जैसे अग्रगण्य शिक्षविद् एवं विचारको ने इस कार्यक्रम में व्याख्यान दिया । व्याख्यानों के साथ ही साथ प्रतिभागियों को लोथल (सिंधु घाटी सभ्यता स्थल), साबरमती आश्रम, भाषा, तेजगढ़ छोटा उदयपुर, पंचमहल जिलों में स्थित जनजाति भाषा एवं पहचान केन्द्र आदि प्राचीन स्थलों की यात्राएँ भी कराई गयी । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर से **प्रा. रीता कोठारी** एवं **प्रा. जेसन मंजली** तथा कैल्टेक से **सुश्री अथेना कैस्ट्रो** ने इस **भारत की खोज** नामक इस लोकप्रिय आयोजन का सफलतापूर्वक समन्वयन किया ।

इंडिया की खोज : भा प्रौ सं गाँधीनगर एवं कैल्टेक के छात्र मिलकर भारत के भूत, वर्तमान और भविष्य ...

## स्नातकोत्तर कार्यक्रम में गैर-उपाधि छात्र

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में गैर-उपाधि योजना के अन्तर्गत संस्थान दूसरे शैक्षिक संस्थाओं के पूर्णकालिक छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में रह कर पाठ्यक्रम अध्ययन करते हुए अथवा अनुसंधान करते हुए एक या दो सत्र बिताने का मौका देता है । यह योजना शीत सत्र 2010-11 से आरंभ की गयी है । इस योजना का लाभ स्नातक और स्नातकोत्तर दोनो ही स्तर के छात्र उठा रहे हैं । इच्छुक छात्र इस योजना के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में एक अथवा दो पाठ्क्रम क्रेडिट के रूप में लेकर अथवा पूर्ण पाठ्यक्रम लेकर एक या दो सत्र अध्ययन कर सकते हैं ।

## सम्मेलनों में भाग लेने के लिए छात्रों को वित्तीय सहयोग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में किए जा रहे अपने कार्यों को देश विदेश में आयोजित होने वाले सम्मेलनों में प्रस्तुत करने अथवा भाग लेने के लिए संस्थान के छात्रों को अब संस्थान की ओर से आंशिक वित्तीय सहायता मिल सकती है । संस्थान के छात्रों को व्यापक शैक्षिक जानकारी मुहैया कराने और उनकी प्रतिभा को पुरस्कृत करने के उद्देश्य से आरंभ की गयी इस नई पहल को शासी मण्डल ने भी अपनी मंजूरी प्रदान किया है । एक पीएच.डी. छात्र तथा दो अवर-स्नातक छात्रों ने समीक्षा वर्ष के दौरान इस सुविधा का लाभ उठाया । पीएच.डी. छात्र **एस.चन्द्रशेकरन** तथा चतुर्थ वर्षीय रासायनिक अभियाँत्रिकी के छात्र **योगेश गोयल** ने बंगलौर में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया था **प्रथमेश अरविंद जुवाटकर**, चतुर्थ वर्षीय विद्युत अभियाँत्रिकी छात्र ने दक्षिण कैरोलीना, संयुक्त राज्य अमरीका में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया ।

## विद्यावाचस्पति जल्द आरंभ करने के लिए अध्येतावृत्ति

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा देश के अन्य शीर्षस्थ अभियाँत्रिकी महाविद्यालयों के चतुर्थ वर्षीय बी.टेक. छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पीएच.डी. कार्यक्रम में सीधे प्रवेश देने के उद्देश्य से **स्टार्ट अर्ली पीएच.डी. फेलोशिप** आरंभ की गयी है । इस योजना के अन्तर्गत चतुर्थ वर्षीय छात्रों को गेट स्कोर के बगैर भी प्रवेश दिया जाएगा हॉलांकि गेट उत्तीर्ण होने वाले छात्रों रू. 10000/- प्रतिमाह की दर से अतिरिक्त अध्येतावृत्ति का भी भुगतान किया जाएगा ।

## भा प्रौ सं संकाय सदस्यों के लिए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अध्येतावृत्ति

ग्रीष्मकाल में जब शिक्षण का भार नहीं होता है, तब संस्थान में रहकर शोधकार्य करने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप संकाय सदस्यों हेतु एक ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अध्येतावृत्ति स्थापित की गयी है । इस अध्येतावृत्ति का उद्देश्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में सहयोजित अनुसंधान तथा संकाय सदस्यों द्वारा संयुक्त प्रस्तावों हेतु बाह्य वित्तपोषण उपार्जित करने के लिए प्रोत्साहित करना है । संस्थान में संकाय सदस्यों की उपस्थिति से उन्हे छात्रों के साथ और अधिक समय व्यतीत करने तथा उनकी प्रगति का समुचित आकलन कर आगामी शैक्षिक सत्र की योग्य रूपरेखा तैयार करने का भी अवसर मिलेगा ।

## युवा शोधार्थी कॉन्क्लेव (वाई आर सी)

सामान्यत: भारतीय शिक्षा जगत में और विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर हेतु उत्तकृष्ट शिक्षकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में दिसम्बर 27 एवं 28, 2012 को आयोजित युवा शोधार्थी कॉन्क्लेव (वाई आर सी) दुनिया भर में फैले भारतीय मूल के 50 युवा शोधार्थियों (स्नातकोत्तर छात्र एवं पोस्ट डाक्टरल शोधार्थियों) को आमंत्रित किया गया था । इन युवा शोधार्थियों को भारत में तेजी से बदल रहे शोध परिदृश्य तथा उपलब्ध अवसर की जानकारी प्रदान की गयी । **प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद** (भा प्रौ सं दिल्ली), **प्रा. संजय मित्तल** (भा प्रौ सं कानपुर), **प्रा. जयंत आर्केरी** (भा वि सं), **डॉ. मनीष गुप्ता** (आई बी एम), **श्री उदय चंद** एवं **श्री एस.पी.सिंह** (रिलायंस) सहित अनेक गणमान्य विद्वानों को इस कॉन्क्लेव में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था । संस्थान के अनेक संकाय सदस्यों ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया । इस कॉन्क्लेव का आयोजन **प्रा. सुप्रीत सैनी** (भा प्रौ सं गाँधीनगर), **सौरिन्द्र चौधरी** (स्नातक छात्र, प्रिंसटन) तथा **निरंजन श्रीनिवास** (स्नातक छात्र, कैल्टेक) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया । इस आयोजन को गुजरात सरकार ने प्रायोजित किया । अधिक जानकारी- http://www.iitgn.ac.in/YRC/YRC.html पर उपलब्ध है ।

## भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में निर्बाध सहयोग

स्थानीय वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय विशेषज्ञता को समेकित करने के उद्देश्य से भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने आपस में अपने

## संकाय उत्कृष्टता पुरस्कार

संस्थान के संकाय सदस्यों में उत्कृष्ट शिक्षण, अनुसंधान, संस्थान निर्माण एवं बाहरी लोगों तक पहुँच कायम करने की दृष्टि से संबंधित क्षेत्रों हेतु चार उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान करने का चलन आरंभ किया गया है । इन पुरस्कारों के माध्यम से संकाय सदस्यों के अनुकरणीय आदर्शों को मान्यता प्रदान की जाएगी । देश के पूर्व राष्ट्रपति **डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम** ने पहली बार इन पुरस्कारों को 11 नवम्बर 2011 को संस्थान में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में वितरित किया । उत्कृष्ट शिक्षण पुरस्कार **प्रा. समीर दलवी** (रासायनिक अभियाँत्रिकी) एवं **प्रा. शर्मिता लाहिड़ी** (मानविकी) को प्रदान किया गया जबकि उत्कृष्ट संस्थान निर्माण पुरस्कार **प्रा. सुप्रीत सैनी** (रासायनिक अभियाँत्रिकी) एवं **प्रा. जेसन मंजली** (मानविकी) को प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के क्षणचित्र http://www.iitgn.ac.in/iit_gallery13.html इस वेब साइट पर देखे जा सकते हैं ।

शैक्षिक और अनुसंधान सुविधाओं का निर्बाध गति से आदान-प्रदान करने का समझौता किया है । इस समझौते से यह अपेक्षा है कि दोनों संस्थान आपस में मिलकर महत्वपूर्ण सहयोजित अनुसंधान को बढ़ाएँगे और आपस में वैज्ञानिक विचारों का आदान-प्रदान करेंगे । एक संस्थान के छात्र दूसरे संस्थान में पाठ्यक्रम क्रेडिट के साथ-साथ अनुसंधान सुविधाओं का भी उपयोग कर सकेंगे । दोनो संस्थानों के संकाय सदस्य भी एक दूसरे के यहाँ जाकर पाठ्यक्रम पढ़ाने अथवा अनुसंधान परक ख्याख्यान देने के लिए प्रोत्साहित किए जाएंगे । एक संयुक्त पीएच.डी. कार्यक्रम भी आरंभ किया गया है जिसके अन्तर्गत भाग लेने वाले छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर से उपाधि प्रदान की जाएगी । ये छात्र भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर द्वारा निर्धारित संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम का अनुशरण करेंगे । इस संबंध में 17 नवम्बर, 2011 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है ।

## अन्य अभियाँत्रिकी संस्थानों के संकाय सदस्यों हेतु ग्रीष्मकालीन अनुसंधान अवसर

देश के चहुँमुखी विकास में संस्थान को दृढ़ विश्वास है और संस्थान देश में व्यापक शैक्षिक समुदाय के विकास में अपनी भूमिका के प्रति सचेत है । इसी विचारधार के मद्देनजर संस्थान ने अन्य अभियाँत्रिकी संस्थानो के संकाय सदस्यों के लिए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान सुअवसर योजना आरंभ किया है । इस योजना के तहत अन्य संस्थानों में बेहतर शिक्षण एवं अनुसंधान का वातावरण बनाने में सहयोग करना ही हमारा परम उद्देश्य है । इसी बात को ध्यान में रखते हुए संस्थान अपने यहाँ चल रही अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेकर ज्ञानार्जन हेतु अन्य संस्थानों के संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता रहता है और उन्हें प्रयोगशाला सुविधाओं सहित नये पाठ्क्रमों के अभिकल्पन एवं विकास का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है ।

## संस्थान अध्येता पुरस्कार

शासी मण्डल ने हाल ही में एक प्रस्ताव मंजूर किया जिसके तहत संस्थान के विकास में उललेखनीय योगयदान करने वाले व्यक्तियों को **संस्थान के अध्येता** का पुरस्कार प्रदान किया जा सकता है । पुरस्कार पाने वाला व्यक्ति संस्थान अथवा संस्थान के बाहर से भी हो सकता है । संस्थान अध्येता का पुरस्कार संस्थान में वर्षिक तौर पर आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह के अवसर पर वितरित किया जाएगा और पुरस्कार के रूप में एक प्रशस्ति पत्र तथा फलक प्रदान किया

## बाल शिक्षा निधि

समुदाय के प्रति अपनी निहित संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने अपने यहाँ कार्यरत अनिवार्य सेवाएँ प्रदान करने वाले ऐसे कर्मचारी जो अन्यथा प्रकार से किसी सुविधा के हकदार नहीं हैं उनके बालकों की शिक्षा के लिए बाल शिक्षा निधि की स्थापना किया है । इस सुविधा का लाभ रोजंदारी पर काम करने वाले मजदूरों तथा ठेकेदारों द्वारा नियुक्त किए गये कर्मचारियों के बाच्चों को मिल सकता है । इस निधि से प्रत्येक परिवार को साल में एक बार ₹5000/- की सहायता राशि प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने 12वीं तक पढ़ने वाले बच्चों के स्कूल का खर्च उठा सकें ।

## कर्मचारी दक्षता विकास पहल

संस्थान ने अपने गैर-शिक्षण कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि हेतु एक अनोखे कार्यक्रम का शुभारंभ किया है जिसे कर्मचारी दक्षता विकास पहल के रूप में देखा जा रहा है । इस पहल के अन्तर्गत कर्मचारीगण विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों और

### कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार

पहली बार कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार श्री आर.टी.शाह (सहायक कुलसचिव, वित्त एवं लेखा), श्री संतोष राऊत (कनिष्ठ अध्यक्ष), श्री सुप्रेश थलसेरी (कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर) एवं श्री गणेश ठाकोर (कार्यालय परिचर) को 26 जनवरी, 2012 को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया ।

कार्यशालाओं के माध्यम से अपनी नीहित क्षमताओं का विकास कर सकते हैं । इस प्रकार के पाठ्यक्रम ऑनलाइन अथवा वैयक्तिक दोनो ही रूपों में किए जा सकते हैं । पाठ्क्रमों अथवा प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सफलता प्राप्त करने के पश्चात संबंधित कर्मचारी द्वारा इस बाबत खर्च किए गये पंजीयन शुक्ल का संस्थान की ओर से प्रतिदान कर दिया जाता है ।

समीक्षा वर्ष के दौरान निम्नांकित कर्मचारियों ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए स्थानीय शिक्षण संस्थाओं से पाठ्यक्रम पूरा किया । **सुश्री ऋतु अग्रवाल** (पर्सनल एण्ड प्रोफेशनल सक्सेस थ्रू साइबरनेटिक मैनेजमेंट), **श्री संतोष राऊत** (मैनेजरियल इफेक्टिवनेस), **श्री पियुष मजुमदार** (चैलेंजेस इन डेलिगेशन), **श्री पियुष वणकर** (इंग्लिश लैंग्वेज प्रोग्राम), **श्री दर्शन पटेल** (बेसिक इंग्लिश), **श्री फरहान बाबू** (आटोकैड विथ 3डी), **श्री गौरव शुक्ल**, **श्री संतोष राऊत** एवं **श्री संजीव पाण्डेय** (डेवलपमेंट वर्कशॉप फार सेक्रेटरीज /पीएज), **श्री श्रीजीत मेनन** (ऑफिस मैनेजमेंट इन एडुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स), **सुश्री पन्ना चौधरी** (एडमिनिस्ट्रेटिव इफेक्टिवनेस, स्ट्राटेजिस फार मैनेजिंग लाइब्रेरिज इन द फ्यूचर तथा लाइब्रेरियन्स डे एण्ड सेमिनार: नेटवर्किंग लाइब्रेरिज इन गुजरात फॉर रिसोर्स शेयरिंग)

## छात्रों के लिए छात्रवृत्तियाँ

### नई मेधा छात्रवृत्तियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने शिक्षा, खेलकूद, कला और संस्कृति तथा सामाजिक कार्य और नेतृत्व जैसे कार्यों में उत्कृष्ट प्रतिपाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक मेधा छात्रवृत्तियों का गठन किया है । ये छात्रवृत्तियाँ पहले से ही विद्यमान योग्यता - सह- साधन छात्रवृत्ति से भिन्न हैं और इनका वितरण संबंधित क्षेत्र में अर्जित उपलब्धि के आधार पर किया जाएगा । इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता को दस माह तक प्रतिमाह ₹2000/- का वजिफा दिया जाएगा । शैक्षिक वर्ष 2011-12 के लिए निम्नांकित छात्रों को ये छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गयी :

शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन छात्रवृत्ति

- स्वेतावा गांगुली
- प्रथमेश ए. जुवाटकर
- योगेश गोयल
- विपुल गोयल
- श्रुति जैन
- प्रथम शाह
- वैभव वी. काटरे
- ध्वनिल पी. शुक्ला

खेलकूद में उत्कृष्ट प्रतिपादन हेतु छात्रवृत्ति

- सुरेश कुमार चौधरी
- वृक्षिकेत पाटिल
- विश्वेन्द्र जोशी
- श्रुति जैन

सामाजिक कार्य एवं नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रतिपादन छात्रवृत्ति

- सार्थक जैन
- मोनिका यादव

### योग्यता –सह-साधन छात्रवृत्ति

शैक्षिक वर्ष 2011-12 के दौरान संस्थान के सामान्य और अन्य पिछड़े वर्ग के 74 छात्रों को येग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति प्रदान किया गया । यह छात्रवृत्ति उन छात्रों को प्रदान की जाती है जिनकी शैक्षिक योग्यता (प्रथम वर्ष में संयुक्त प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अखिल भारतीय रैंक तथा द्वितीय वर्ष से आगे 6.5 सी पी आई ) होती है और जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय ₹4.5 लाख या उससे कम होती है। योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों को शिक्षा शुक्ल (वर्तमान राशि ₹50000/-) की माफी और दस माह के लिए प्रतिमाह ₹1000/- नक़द प्रदान किया जाता है । इसके अतिरिक्त 29 छात्र जो योग्यता मानदण्डों को तो पूरा नहीं कर पा रहे थे, किन्तु उन्हें वित्तीय सहायता की नितांत आवश्यकता थी, उन्हें वर्ष के दौरान शिक्षा शुल्क माफी (फ्रीशीप) प्रदान की गयी ।

इसके अतिरिक्त ऐसे 52 छात्रों को जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति हेतु निर्धारित आय-सीमा से कम थी, उन्हें छात्रों के भोजनालय में नि:शुल्क भोजन की सुविधा प्रदान की गयी और साथ ही प्रतिमाह ₹250/- की दर से दस माह तक जेबखर्च भी प्रदान किया गया ।

### गीता एंव पृथ्वीश गोस्वामी छात्रवृत्ति

गीता एंव पृथ्वीश गोस्वामी छात्रवृत्ति के अन्तर्गत छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र को दस माह तक प्रतिमाह ₹1500/- वजिफा प्रदान किया जाता है । यह छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र को संस्थान भी अपनी ओर से शिक्षा शुल्क माफ कर देता है । वर्ष 2011-12 के दौरान यह छात्रवृत्ति **लिंगाला त्रिनाथ रेड्डी** को प्रदान की गयी ।

### एस.सी.मेहरोत्रा छात्रवृत्ति

एस.सी.मेहरोत्रा छात्रवृत्ति के अन्तर्गत प्राप्तकर्ता छात्र को दस माह के लिए प्रतिमाह रू.1500/- प्रदान किया जाता है । संस्थान भी इस छात्र को शिक्षा शुल्क से माफी प्रदान करता है क्योंकि ये छात्र भी योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति हेतु निर्धारित आय-सीमा के प्रावधानों को पूर्ण करते हैं ।

**सुश्री गुन्तुरू अनुषा**, चतुर्थ वर्ष बी.टेक. छात्रा । अनुषा को यह छात्रवृत्ति गत वर्ष भी प्राप्त थी ।

**श्री विपुल गोयल**, तृतीय वर्ष बी.टेक. छात्र । गोयल को यह छात्रवृत्ति गत वर्ष भी प्राप्त थी ।

**श्री यश गोयल**, द्वितीय वर्ष बी.टेक. छात्र। यश गोयल को यह छात्रवृत्ति पहली बार वर्ष 2011-12 से प्राप्त हुई है ।

## विशिष्ट मादन प्राध्यापक

1. **प्रा. सुहास पा. सुखात्मे**, सम्मान्य प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई, ने अपना डॉक्टर ऑफ साइंस (एससी. डी.) एम आई टी से सन् 1964 में अर्जित किया। प्राध्यापक सुखात्मे को शिक्षण एवं अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है । हीट ट्राँसफर एवं सोलार एनर्जी पर लिखित बहुचर्चित पाठ्यपुस्तकों के लेखक के रूप में प्रा. सुखात्मे कोलोकप्रियता हाशिल है । प्रा. सुखात्मे को अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हैं जिनमें 1958 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से मिले प्रिंस ऑफ वेल्स गोल्ड मेडल, 1983 में प्राप्त शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार तथा 2001 में प्राप्त ओम प्रकाश भसीन फाऊण्डेशन पुरस्कार आदि का समावेश है । वर्ष 2001 में उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई द्वारा प्रथम आजिवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया । वर्ष 2001 में ही उन्हें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि से सम्मानित किया गया । भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2001 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया ।

2. **प्रा.जे.बी.जोशी**, परमाणु ऊर्जा विभाग - होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान में पीठ प्राध्यापक होने के साथ-साथ रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के जे.सी.बोस अध्येता भी हैं । इन्होंने रासायनिक अभियाँत्रिकी में अपने बी.ई, एम.ई और पीएच.डी. उपाधियाँ मुंबई विश्वविद्यालय से क्रमश: सन् 1971, 1972 और 1977 अर्जित कीं । इन्होंने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (इंसा) युवा वैज्ञानिक पदक सन् 1981 में प्राप्त किया । वर्ष 1983 में इन्हें अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्ट प्रतिपादन हेतु अमर डाई-केम पुरस्कार प्राप्त हुआ । प्रा. जोशी ने 300 से अधिक अभिपत्र, 50 मोनोग्राफ / पुस्तकों में पाठ / अद्यतन समीक्षाएँ आदि प्रकाशित किए हैं । प्रा. जोशी के अनेक अभिकल्प और उत्पाद आज उद्योगों में कार्यान्वित किए जा चुके हैं । इन्होंने विद्यालय छात्रों में विज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा करने का अभियान भी चला रखा है ।

## अतिथि प्राध्यापक

निम्नांकित शिक्षाविद् संस्थान के साथ अतिथि प्राध्यापक के रूप में जुड़े हुए हैं । एक अतिथि प्राध्यापक के रूप में ये विशिष्ट व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम 10 दिन संस्थान में रहकर उत्कृष्टता प्रतिपादन के इसके अभियान में योगदान करने के लिए के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

3. **डॉ निखिल बलराम** । आप, अमरीका स्थित एक अन्तर्राष्ट्रीय कंपनी रिक्को इन्नोवेशन्स इंक के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं । आप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध अन्वेषक एवं प्रदर्शन प्रौद्योगिकी तथा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी के विशेषज्ञ हैं । इस क्षेत्र में आपके अनुसंधायक सहयोगियों के द्वारा विकसित उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ प्राप्त हुई हैं । आप फारौद्जा, सेज, जेनेसिस माइक्रोचिप, सोनीक्लब, नेशनल सेमिकण्डक्टर एण्ड मार्वेल सेमिकण्डक्टर जैसी अनेक कंपनियों में विभिन्न कार्याकारी पदों पर कार्य कर चुके हैं । आप के नाम पर अनेक पेटेण्ट, तकनीकी अभिपत्र एवं पुस्तकें हैं । आपने विद्युत अभियाँत्रिकी में बीएस, एमएस, तथा पीएच.डी. की उपाधि कॉर्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय से प्राप्त की है ।

4. **प्रा. विजय गुप्ता**, निदेशक, जी डी गोयनका वर्ल्ड इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली । आप अपने अन्वेषण एवं शिक्षण सहाय्यक पद्धातियों तथा अपने प्रकाशनों और शिक्षणोपयोगी वस्तुओं के लिए प्रख्यात हैं । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में अपने दीर्घकालीन कार्यावधि के दौरान आपने अनेकानेक पाठ्यक्रम पढ़ाया तथा संकायाध्यक्ष (शैक्षिक मामले) सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को विभूषित किया। आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से बी.टेक. किया और स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय से सन् 1972 में पीएच.डी. की उपाधि अर्जित किया है ।

1

2

3

4

5. **प्रा. सुचित्रा माथुर**, सह प्राध्यापक, अंग्रेजी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर । आप भारतीय अंग्रेजी साहित्य, नारीवादी एवं औपनिवेषिक सिद्धांत तथा लोकप्रिय संस्कृति अध्ययन के क्षेत्र में शोधानुसंधान एवं शिक्षण करती हैं । इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन सहित आप अपने विषय सहित संचार दक्षता पर देशभर के अनेकानेक शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाओं का भी आयोजन करती रहती हैं । हाल ही में आपने अन्तर्विषक क्षेत्र में विज्ञान अध्ययन पर भी रूचि दर्शाई है । फिलहाल आप अपने संस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केन्द्रित करते हुए लिंग एवं संचार : सार्थक वार्ता विषय के शोधा-ध्ययन कर रही हैं । वर्ष 2011 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से उत्कृष्ट शिक्षण हेतु आपको गोपालदास भण्डारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

6. **श्री माइकल डेनिनो** जन्म से फ्रांसीसी हैं किन्तु सन् 1977 से भारत में रहते हुए आपने भारतीय नागरिकता प्राप्त कर ली है । आप भारतीय सभ्यता के स्वतंत्र अध्येता हैं। आपने अंग्रेजी और फ्रांसीसी दोनो ही भाषाओं में पुस्तकों एवं अभिपत्रों का प्रकाशन किया है । आपकी नवीनतम् पुस्तकों में द लास्ट रिवर : ऑन द ट्रेल ऑफ सरस्वती (पेंग्विन इंडिया, 2010) तथा इंडियन कल्चर एण्ड इंडियाज फ्यूचर (डीके प्रिंटवर्ल्ड 2011) का समावेश है । इन्होंने देश में घूम-घूम कर अनेक सांस्कृतिक केन्द्रों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में भारत के पुरातात्विक, प्रचीन इतिहास, तथा सांस्कृतिक विकास के संबंध में अनेक व्याख्यान दिए हैं । फरवरी-मार्च 2011 के दौरान आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में अभ्यागत प्राध्यापक के रूप में कार्य करते हुए प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय पर अनेक व्याख्यान प्रस्तुत किए । आप अमृता विश्व विद्यापीठम् , कोयंबतुर तथा अमृतपुरी परिसर (2007 से) अतिथि प्राध्यापक रहे हैं । फिलहाल आप आई आई एम राँची में अभ्यागत संकाय के रूप में कार्यरत हैं । आपकी अन्य अभिरूचियों में वन संरक्षण तथा भारतीय परंपरा हेतु अन्वेषणकारी शिक्षा सामग्री का विकास जैसे विषयों का समावेश है ।

7. **डॉ. मैथिली रामस्वामी** फिलहाल टाटा मौलिक अनुसंधान केन्द्र, बंगलौर में प्रयोजनमूलक गणित विभाग में प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं । आप इस केन्द्र में संकायाध्यक्ष के पद को विभूषित कर रही हैं । आप देश में आंशिक अवकल समीकरण (*Partial Differential Equations*), विशेषत: नियंत्रण समस्याओं के विश्लेषण एवं प्रयोजनमूलकता के क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात हैं । आपने मुंबई विश्वविद्यालय से बी.एससी और एम.एससी की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् पेरिस विश्वविद्यालय, फ्रांस से पीएच. डी. की उपाधि अर्जित की है ।

8. **प्रा.के.एस.गाँधी** ने रासायनिक अभियाँत्रिकी में अपनी स्नातक उपाधि आँध्र विश्वविद्यालय से सन् 1962 में अर्जित किया, तदोपरांत सन् 1965 में ओहियो राज्य विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि और सन् 1971 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कली से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त किया। आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सन् 1971 से 86 तक तथा सन 1986 से 2005 तक भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर में अध्यापन कार्य किया है । आपके औद्योगिक अनुभव में आपके द्वारा जे.के.पेपर मिल्स, रायगढ तथा पिलकिंग्टन ब्रदर्स रिसर्च सेंटर, यूके आदि का समावेश है । आप भारतीय रासयनिक अभियंता संस्थान के सदस्य तथा भारतीय विज्ञान अकादमी तथा भारतीय राष्ट्रीय अभियंता अकादमी के अध्येता हैं ।

9. **प्रा. धीरज सांघी**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में संकायाध्यक्ष, शैक्षिक कार्य तथा कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं । आप कम्प्यूटर नेटवर्क, विशेषत: विभिन्न संस्तरों पर प्रोटोकॉल, IPv6 सचलता, सुरक्षा आदि विषयों में शोधा-ध्ययन करते हैं । आप दो वर्षों तक एल एन मित्तल सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर के निदेशक पद पर भी कार्य कर चुके हैं । आप भारत में तकनीकी शिक्षा के प्रति जागृत रहते हैं और विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं और ब्लॉग में इस संबंध में लिखा करते हैं । आप ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से

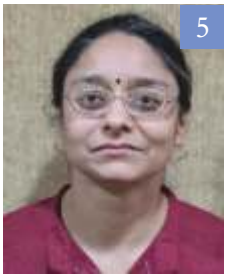
5

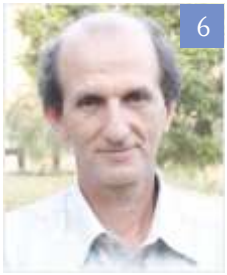
6

7

8

9

बी.टेक. तथा मेरीलैण्ड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क से एमएस और पीएचडी की उपाधि अर्जित किया है।

10. **प्रा. दीपन के. घोष** फिलहाल नवरचना विश्वविद्यालय, बड़ौदा के उपकुलपति (प्रोवोस्ट / वाइस चाँसलर ) है । आप संघनित पदार्थ सिद्धांतवादी हैं जो मुख्यत: निम्न-विमीय चुम्बकीय तंत्र के क्षेत्र में कार्य करते हैं । आपको एकल-विमीय बहु-पिण्ड समस्या पर सटीक समाधानकर्ता के रूप में जाना जाता है । साहित्य की भाषा में इसे मजुमदार-घोष मॉडल के रूप में ख्याति प्राप्त है । आपने मैकेनिक्स एण्ड थर्मोडायनामिक्स पर एक पाठ्य पुस्तक तथा अनेकों वेब पुस्तकें लिखी है । प्रा. घोष ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में अनेक पदों पर कार्य किया है जिसमें संकायाध्यक्ष एवं उपनिदेशक जैसे पदों का भी समावेश है । वर्ष 2000 में आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से सर्वोत्तम शिक्षक का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है । वर्ष 2011 में आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से संस्थान निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

11. **डॉ. संदीप पाण्डेय** सन् 1993 से एक पूर्णकालिक सामाजिक कार्यकता हैं । आपने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कली, संयुक्त राज्य अमरीका से पीएच.डी. की उपाधि अर्जित की है । वर्ष 1993 तक आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किये । फिलहाल आप विविध क्षेत्रों में कार्यरत हैं जिनमें सुविधावंचित बच्चों की शिक्षा, मानवाधिकार, हाशिए पर ढकेल दिए गये समाज का शसक्तिकरण, लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण का संघर्ष, पारदर्शिता एवं जवाबदेही निर्धारण हेतु सूचना के अधिकार का उपयोग, खाद्य सुरक्षा, रोजगार गारंटी योजना, जन-राजनीति, सुशासन, सांप्रदायिक सौहार्द, नाभिकीय नि:शस्त्रीकरण एवं शांति, भारत-पाकिस्तान मैत्री, कार्पोरेट उत्तरदायित्व आदि का समावेश है। आपके द्वारा संचालित 'स्ट्रेंथनिंग ऑफ डेमोक्रेसी एट द ग्रासरूट इन इंडिया' नामक पाठ्यक्रम देश-विदेश में अत्यंत लोकप्रिय है । आप विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर व्याख्यान देते और हिन्दी, असमी और तेलुगु समाचारपत्रों में लिखते रहते हैं। आपने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार परिषद में भी कार्य किया है।

## विशिष्ट अभ्यागत

विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा के क्षेत्र के विशिष्ट अतिथियों के अभ्यागमन से संस्थान के छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को प्रोत्साहन और प्रेरणा मिलती है । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर इन विशिष्ट अतिथियों को संस्थान में आमंत्रित करके अथवा इस क्षेत्र में उनकी यात्राओं का सुअवसर देखकर उन्हें संस्थान में कुछ समय के लिए आमंत्रित कर के विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन करता रहता है । इनके आगमन पर छात्रों और संकाय सदस्यों से इनसे मुलाकात और पारस्परिक आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाता है । वर्ष 2011-12 के दौरान संस्थान में अभ्यागत कुछ विशिष्ट अतिथियों का विवरण नीचे दिया जा रहा है ।

12 भारत के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम **डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम** ने 11 नवम्बर 2011 को संस्थान का दौरा किया और छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए 2020 तक भारत का विकास और राष्ट्रीय मिशन विषय पर एक अत्यंत प्रेरणास्पद व्याख्यान दिया । उन्होनें छात्रों का विशेष आह्वान करते हुए उन्हें कड़ी मेहनत, समर्पणभाव और एकता जैसे महत्वपूर्ण गुणों का महत्व समझाया । संस्थान के अनुरोध पर डॉ. कलाम ने संस्थान द्वारा पहली बार प्रदान किए जा रहे संकाय उत्कृष्टता पुरस्कारों का भी वितरण किया ।

13 अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला (यूएल), नार्थब्रुक, संयुक्त राज्य अमरीका के वरिष्ठ उपाध्यक्ष **श्री अगस्त डब्ल्यू. शेफर** ने 18 अप्रैल 2011 को संस्थान का दौरा किया । संस्थान के तीन अवरस्नातक छात्रों सर्वश्री अंचित गौरव, अदनान अंसारी और अभिषेक उमराव ने अग्नि सुरक्षा पर अपनी प्रयोगशाला सुविधाओं का अण्डर्राइटर्स एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारियों के समक्ष प्रदर्शन

10

11

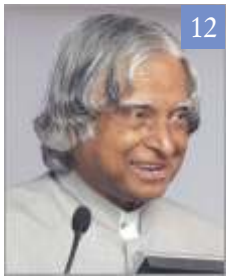
12

13

14

किया तथा रसोई घर अग्नि सुरक्षा के संबंध में बनाए गये अपने राष्ट्रीय अग्नि आँकड़ा संचय का प्रस्तुतिकरण भी किया । संस्थान में प्रा. चिन्मय घोरोई के मार्गदर्शन में एक भा प्रौ सं गाँधीनगर एवं यूएल अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना की गयी है । इस प्रयोगशाला के लिए आंशिक खर्च अण्डर्राइटर्स प्रयोगशाला (यूएल) के द्वारा प्रायोजित किया जाता है ।

14 रिको कंपनी लिमिटेड, टोकियो के उप महाप्रबंधक **श्री हिदेकी सेगावा** ने 5 मई 2011 को संस्थान का दौरा किया और भारत में संभावित सामाजिक उद्यमशीलता के विषय में विचार-विमर्श किया जिससे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर और आर आई आई आपस में सहयोग कर ग्रामीण भारत में सामाजिक उद्यमशीलता के क्षेत्र में कार्य कर सकें । इनके साथ इनकी सहयोगी सुश्री ईको नाकामोतो तथा सुश्री रयोखो इजोई भी वार्ता करने के लिए पधारी थीं ।

15 **डॉ. आर. ए. माशेलकर**, रायल सोसायटी फेला, अध्यक्ष, शासी मण्डल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर ने 3 सितम्बर, 2011 को संस्थान के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों का अत्यंत प्रेरणास्पद संबोधन किया । अपनी रोचक संवाद शैल में डॉ. माशेलकर ने विज्ञान जैसे गंभीर विषय पर बोलते हुए भी समा बांधे रखा और अपने भाषण के माध्यम से अपनी जीवन यात्रा के दौरान अनुभूत साहसिक वैज्ञानिक अवसरों और चुनौतियों बयान किया । वस्तुत: यह एक अविस्मरणीय अवसर था और डॉ. माशेलकर को सुनने के लिए लोगों की अच्छी-खासी भीड़ जमा हुई थी ।

16 जुलाई 19, 2011 को इन्फोसिस के पूर्व अध्यक्ष **श्री एन.आर.नारायणमूर्ति** ने संस्थान का दौरा किया । श्री नारायणमूर्ति ने मैसूर विश्वविद्यालय से सन् 1967 में बी.ई, सन् 1969 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से एम.टेक. उपाधि अर्जित की और सन् 1981 में इन्फोसिस की स्थापना किया । आप सन् 1992-94 के दौरान नेशनल एशोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विसेस कंपनी (नेसकॉम) के अध्यक्ष रहे । वर्ष 2000-2001 के लिए आपको ई टी बिजनेस पर्स ऑफ द इयर का पुरस्कार प्राप्त हुआ । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने वर्ष 1998 में आपको विशिष्ट पूर्वछात्र पुरस्कार से सम्मानित किया ।

17 एक विशिष्ट शिक्षाविद् एवं फिलहाल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के शासी मण्डल के अध्यक्ष **प्रा. एम. आनंदकृष्णन** 22 जनवरी, 2012 को संस्थान का दौरा करके संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ पारस्परिक आदान-प्रदान किया । आपने सन् 1952 में कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग, गुण्डी, मद्रास विश्वविद्यालय से बी.ई. तथा सन् 1960 में मिनेसोट्टा विश्वविद्यालय, अमरीका से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की । सन् 1974-1978 के दौरान आप वाशिंगटन के भारतीय दूतावास में प्रथम विज्ञान पार्षद थे । तत्पश्चात आपने सन् 1978-89 के दौरान न्यू टेक्नॉलॉजिस के प्रमुख तथा विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, न्यूयार्क के उपनिदेशक पद पर रहे । आपने विकास पर संयुक्त राष्ट्र सलाहकार समिति के सचिव पद पर भी कार्य किया है । तमिळनाडु में अभियाँत्रिकी संस्थानों में सिंगल विण्डो एडमिशन सिस्टम के विकास और कार्यान्वयन का श्रेय इनको ही दिया जाता है । वर्ष 2002 में भारत सरकार ने इन्हें पद्मश्री से विभूषित किया । इन्हें अनेक पुरस्कार और प्रसश्तियाँ प्राप्त हैं जिनमें ब्राजील के राष्ट्रपति से प्राप्त द आर्डर ऑफ साइंटिफिक मेरिट (1996), मिनेसौट्टा विश्वविद्यालय से प्राप्त विशिष्ट नेतृत्व पुरस्कार (2003), भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी का मानद अध्येता पुरस्कार (2005), शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय स्वामी प्रवणानंद सरस्वती पुरस्कार (2006) आदि का समावेश है ।

18 महात्मा गाँधी और सी. राजगोपालाचारी की पोती **सुश्री तारा गाँधी भट्टाचार्जी** जो फिलहाल कस्तुरबा गाँधी राष्ट्रीय स्मृति ट्रस्ट तथा गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति की उपाध्यक्षा हैं, ने 13-16 मार्च 2012 के दौरान संस्थान का दौरा किया और संस्थान के पूरे समुदाय के साथ पारस्परिक आदान-प्रदान किया । आपने पर्यावरण सुरक्षा

15

16

17

18

19

को अपना समर्थ प्रदान कर गाँधी के अहिंसा संबंधी विचारों को समकालीन विश्व तक पहुँचाने का महत् कार्य किया है । आपने महिलाओं की आत्मनिर्भरता और दासत्व मुक्ति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करते हुए बुनकरों तथा करघा चलाने वालों के कल्याण केलिए उल्लेखनीय कार्य किया है ।

19 एन आई आई टी ग्रुप के सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष **श्री राजेन्द्र एस. पवार** ने सन् 1972 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.टेक. की उपाधि अर्जित किया है । दक्षता विकास पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय परिषद के आप सदस्य हैं । सन् 1998 में आपने प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय टास्क फोर्स में कार्य किया है । आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलौर, भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर, भारतीय बिजनेस स्कूल हैदराबाद, सिंदिया स्कूल एवं SMVD विश्वविद्यालय जम्मू एवं काश्मीर के शासी मण्डलों के सदस्य हैं । आपने इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के शासी मण्डल पर भी कार्य किया है । ह्यूमन प्रोसिंस ऑफ चाइना के सलाहकार के रूप में आपने राष्ट्राध्यक्षीय अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद, दक्षिण अफ्रीका सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी के लिए भी कार्य किया है । सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में सतत योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित नायडुम्मा पुरस्कार 2012 से भी सम्मानित किया गया है । भारत सरकार ने इन्हें वर्ष 2011 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया ।

### अन्य अभ्यागत

समीक्षा वर्ष के दौरान निम्नांकित अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों ने संस्थान का दौरा किया -

**प्रा. स्वेतलाना ब्रजेव**, ब्रिटिश कोलंबिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कनाडा; **प्रा. मार्सिअल ब्लोनदेत**, पोण्टिफिका यूनिवर्सिदाद कैटोलिका डेल पेरू; **सुश्री मार्जोरी ग्रीन**, भूकंप अभियाँत्रिकी अनुसंधान संस्थान, कैलिफोर्निया; **प्रा. एण्ड्र्यू चार्लेसन**, विक्टोरिया विश्वविद्यालय, न्यूजीलैण्ड; **प्रा. वी. राघवेन्द्र** एवं **प्रा. जयदीप दत्ता**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर; **प्रा. ए.के. पाणि**, **प्रा. राम पुनियानी** तथा **प्रा. मल्लिकार्जून राव**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई; **प्रा. रविशंकर पी.**, **प्रा.टी.पी.अनूप**, **प्रा. प्रशांत के.श्रीनिवासन** तथा **प्रा. मैथिली रामस्वामी**, टाटा मौलिक अनुसंधान केन्द्र बंगलौर; **प्रा. एम.टी.नायर**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास; **प्रा. पोलात गुलकान**, कैनकाया विश्वविद्यालय तुर्की; **प्रा. लूईस एस्तेव**, मैक्सिको राष्ट्रीय विश्वविद्यालय; **प्रा.राम भार्गव**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की; **प्रा. एस. केशवन**, आई एम एससी चेन्नई; **प्रा. पल्लवी महाले** तथा **प्रा. जी. नागराजु**, वीएनआईटी नागपुर; **प्रा.सुन्दरराजा रामस्वामी**, एनआईआईटी नीरमा; **प्रा. तिमोति गोंसाल्विस**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी; **प्रा. राघवन रंगराजन**, भौतिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद; **प्रा. प्रद्युम्न व्यास**, राष्ट्रीय अभिकल्प संस्थान, अहमदाबाद; **सुश्री प्रतिभा पाण्डेय**, सेवा रिसेप्सन केन्द्र, अहमदाबाद; **श्री अरविंद सिंघल**, टेक्नोपार्क एडवाइजर्स प्रा.लि.; **प्रा.राज पी.छाबरा**, **प्रा. सुचित्रा माथुर**, **प्रा. लीलावती कृष्ण** तथा **प्रा. धीरज सांघी**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर; **प्रा. एन. जे. राव**, जयपी अभियाँत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय; **सुश्री स्वाती भोगले**, टेक्नॉलॉजी इन्फार्मेटिक्स डिजाइन एण्डेवर (टी आई डी ई); **प्रा. मधु चड्ढा**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद; **डॉ. के. एन. पण्णिकर**, केरल ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, तिरूवनंतपुरम; **प्रा. यूसेफ जैदी** तथा **प्रा. सौम्यदीप्त आचार्य**, जॉन हॉफ्किन्स विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका; **प्रा.टी.हरिनारायणा** (निदेशक) तथा **श्री अमीन पेटीवाला** (सचिव), गुजरात ऊर्जा अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान (GERMI); **श्री प्रविण डी. गाँधी**, निदेशक, कॉर्पोरेट रिसर्च, अण्डर्राइटर्स लैबोरेटरिज इंक; **डॉ. नवदीप माथुर**, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद; **डॉ. बालाजी पार्थसारथी**, आई आई आई टी बंगलौर; **प्रा. कोशी थरकन**, गोवा विश्वविद्यालय; **प्रा. शिवा विश्वनाथन**, डीए-आईआईसीटी, गाँधीनगर; **डॉ तारा एस. नायर**, गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद; **प्रा. राजीव संगल**, आई आई आई टी हैदराबाद; **प्रा. शर्मिला एवं प्रा.ए.रामनाथन**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई; **प्रा.सुहिता चोपड़ा चटर्जी**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ।

## सम्मेलन/ परिसंवाद/ कार्यशाला/ संगोष्ठी

विभिन्न महत्पूर्ण विषयों को ध्यान में रखते हुए और महत्वपूर्ण शैक्षिक कार्यकलापों पर विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के ध्येय से वर्ष के दौरान संस्थान में अनेक सम्मेलन, परिसंवाद, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित की गयीं । इनमें से अनेक कार्यकलापों में बाहरी संस्थानों के लोग भी आमंत्रित किए जाते हैं / भाग लेते हैं जिससे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर बाह्य जगत में भी ख्याति प्राप्त होती है और संस्थान के संबंध में लोगों की जानकारी बढ़ती है । शैक्षिक वर्ष 2011-12 के दौरान निम्नांकित गतिविधियाँ आयोजित की गई:

- अप्रैल 1-4, 2011 के दौरान **PDEs के अनुप्रयोग सहित प्रसरणीय विश्लेषण एवं इष्टतमीकरण** विषय

पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर के प्राध्यापक **प्रो. डी.वी.पै** इस कार्यशाल के संयोजक थे तथा **प्रो. मैथिली रामस्वामी**, टाटा मौलिक अनुसंधान केन्द्र, बंगलौर इस कार्यशाला की सह-संयोजिका थी । देश के शीर्षस्थ शैक्षिक संस्थानों के अनेकानेक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड तथा परमाणु ऊर्जा विभाग आदि से इस कार्यशाला हेतु वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ । कार्यशाला की विस्तृत जानकारी इस वेबसाइट पर उपलब्ध है - http://www.iitgn.ac.in/pdf/Brochure_PDEs.pdf.

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर तथा भवन सामग्री प्रौद्योगिकी प्रोत्साहन परिषद (BMTPC) के संयुक्त तत्वावधान में अप्रैल 17-18, 2011 को **सीमित चिनाई (Confined Masonry)** विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था । कनाडा, न्यूजीलैण्ड, पेरू और भारत के अनेक आमंत्रित व्यक्तियों ने इसमें भाग लिया और विचार-विमर्श में सक्रिय योगदान किया ।

- जुलाई 13-15, 2011 तथा अक्तूबर 9, 2011 को **श्री रमेश एस. पुदाले**, शिक्षा समाधान विशेषज्ञ, आटोडेस्क इंडिया प्रा. लिमिटेड ने **ऑटोडेस्क इंन्वेंटर** पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया ।

- **प्रा. पिया थिलमॅन** ने सितम्बर 9-11, 2011 के दौरान एक अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद - **स्पेसेज ऑफ अल्टेरिटी - लिटरेरी एण्ड ड्रामेटिक रिप्रजेंटेशन** का आयोजन किया । बोत्सवाना, पोर्तुगल, जर्मनी तथा भारत के 22 शिष्टमण्डलों ने इस परिसंवाद में भाग लिया ।

- अगस्त 24 से अक्तूबर 12, 2011 के दौरान **प्रा. संदीप पाण्डेय** ने **सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण** विषय पर एक साप्ताहिक व्याख्यान माला का आयोजन किया । संस्थान के छात्रों सहित अनेक संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भी इस व्याख्यान माला में भाग लेकर आम आदमी से जुड़े हुए अनेक मसलों पर अपना ज्ञानवर्धन किया । ये व्याख्यान वस्तुत: विचारोत्तेजक तथा हमारे लोकतंत्र की कमजोरियों को उजागर करने वाले थे ।

- 2 फरवरी 2012 को जुबान के सहयोग से **शांति और सभ्यता हेतु महिला लेखिकाओं का योगदान** विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर समुदाय

के अलावा आस-पास के अन्य लोगों ने भी इसमें सक्रिय भाग लिया । इस संगोष्ठी का समन्वयन **प्रा. रीता कोठारी**, **प्रा. शर्मिता लाहिड़ी** तथा **प्रा.अर्नपूर्णा रथ** के द्वारा किया गया था ।

- 17 मार्च, 2012 को **प्रभावी शिक्षण** विषय पर एक आंतरिक कार्यशाला का आयोजन किया गया था । **प्रा. धीरज सांघी** (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर), **प्रा. सुचित्रा माथुर** (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर) तथा **प्रा. सुधीर के. जैन** (निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी

संस्थान गाँधीनगर) इस कार्यशाल के प्रस्तोता थे । शर्मिता लाहिड़ी द्वारा समन्वयित इस कार्यशाला में 35 संकाय सदस्यों ने भाग लिया ।

- **अभियाँत्रिकी शिक्षा से परे देखना: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर का मानविकी एवं समाज विज्ञान कार्यक्रम**, विषय पर 31 मार्च 2012 को एक विचार-मंथन कार्यशाला का आयोजन किया गया था । सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्याल से पधारे प्रतिभागियों ने मानविकी एवं समाज विज्ञान से संबंधित अनेकानेक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया । इस कार्यशाला का समन्वयन **प्रा. जेसन ए. मंजली** तथा **प्रा. रोजा मरिया पेरेज** द्वारा किया गया था । इस कार्यशाल का विवरण संस्थान की वेबसाइट http://www.iitgn.ac.in /hss_workshop.htm. पर उपलब्ध है

### आमंत्रित व्याख्यान

संस्थान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रख्यात विशेषज्ञों को परिसर में आमंत्रित किया जाता है ताकि वे अपने संबंधित क्षेत्र के विषय में संस्थान के छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य लोगों का संबोधन कर सकें । इन आमंत्रित व्याख्यानों के द्वारा छात्रों को विभिन्न विषयों में शोधा-ध्ययन के लिए प्रेरणा मिलती है और उनकी अभिरूचि जागृत होती है । इस प्रकार के व्याख्यानों की भाषा सर्वग्राह्य होती है और विषय भी वैविध्यपूर्ण होते हैं । समीक्षा वर्ष के दौरान संस्थान में निम्नांकित आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए गये । संस्थान के छात्र, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने इनमें बढ़चढ़ कर भाग लिया

- **लेजर का जैवचिकित्सकीय उपयोग**, वक्ता : **डॉ. पी.के.गुप्ता**, राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर, अप्रैल 8, 2011.
- **जाति विवाद : मिथ एवं सच्चाई**, वक्ता : **डॉ. मिहिर भोले**, राष्ट्रीय अभिकल्प संस्थान, अहमदाबाद, अप्रैल 15, 2011.
- **धरातल जल की गुणवत्ता एवं अपशिष्ट जल उपचार**, वक्ता : **डॉ. रमेश गोयल**, सिविल एवं पर्यावरणीय अभियाँत्रिकी, उताह विश्वविद्यालय, मई 25, 2011.
- **तंतु प्रकाशिकी में कॅरिअर**, वक्ता : **डॉ. अर्नब सरकार**, संस्थापक एवं अध्यक्ष, एडवांस्ड ऑप्टिकल फाइबर सोलुसन्स, संयुक्त राज्य अमरीका, अगस्त 8, 2011.
- **दानेदार माध्यम सूक्ष्मगतिशास्त्र एवं उच्च-क्रम सातत्य सिद्धांत**, वक्ता: **प्रा. अनिल मिश्र**, कंसास विश्वविद्यालय, लॉरेंस, संयुक्त राज्य अमरीका, अगस्त 14, 2011.
- **समकालीन भारत में प्रयुक्त पौरूष**, वक्ता: **प्रा. मंगेश कुलकर्णी**, पुणे विश्वविद्यालय, अगस्त 19, 2011.
- **वायु टर्बाइन कार्यक्षमता, प्रचालन एवं अनुरक्षण के इष्टतमीकरण की चुनौतियाँ**, वक्ता: **डॉ. सुरेन्द्र एन. गनेरीवाला**, संस्थापक एवं अध्यक्ष, स्पेक्ट्रा क्वेस्ट, संयुक्त राज्य अमरीका, अगस्त 19, 2011.
- **अभिकलनीय तरल गतिकी अनुप्रयोगों हेतु अपने गेमिंग कार्ड की शक्ति को खोलना**, वक्ता: **डॉ. डोमिनिक चन्दर**, याँत्रिकी अभियाँत्रिकी विभाग, व्योमिंग विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका, सितम्बर, 2011.
- **उष्मी एवं याँत्रिकी दोलनों का तुल्यकालन**, वक्ता: **प्रा. मिहिर सेन**, नाटर्डम विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका, सितम्बर 15, 2011.
- **धड़कती दृष्टि - मुहावरों का मूर्त होना**, वक्ता: **प्रा. अनाबेला मेंडिस**, लिस्बन विश्वविद्यालय, सितम्बर 16, 2011.
- **इष्टतम नियंत्रण की कथा**, वक्ता: **प्रा. मैथिली रामस्वामी**, प्रयोजनमूलक गणित केन्द्र, टाटा मौलिक

### अल्पावधि पाठ्यक्रम

अपने–अपने क्षेत्रों के ख्यातनाम विद्वानों द्वारा वर्ष के दौरान निम्नांकित अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रदान किए गये -

- अगस्त 2-4, 2011के दौरान कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान के स्नातक छात्र श्री विकास त्रिवेदी ने अभियंताओं के लिए जीवविज्ञान विषय पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रदान किया ।
- विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र, नई दिल्ली के श्री आदित्य घोष तथा श्री चन्द्र भूषण ने सितम्बर 3-4, 2011 के दौरान मौसम में बदलाव - राजनीति, नीति एवं वस्तुस्थिति विषय पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रदान किया ।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर से प्रा. अमित प्रशांत, प्रा. अजंता सचान एवं प्रा. सुधीर कुमार जैन तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर से प्रा. देबासिस राय ने फरवरी 27 से मार्च 1, 2012 के दौरान **भूकंप अभियाँत्रिकी के भूतकनीकी पहलू**, विषय पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम प्रदान किया । इसमें 70 से अधिक अभियंताओं और व्यावसायियों ने भाग लिया ।

अनुसंधान संस्थान, बंगलौर, अक्तूबर 13, 2011.

- **समकालीन ब्रिटेन की विचलित करने वाली सच्चाई : यू के में काले और दक्षिण एशियाई ब्रिटिश नाट्य**, वक्ता: **प्रा जियोफ्रे डेविस**, RWTH अकेन विश्वविद्यालय, जर्मनी, अक्तूबर 18, 2011.
- **अनुसंधान सूचनाविज्ञान : जैवप्रौद्योगिकी उद्योग का एक अन्त:दृश्य**, वक्ता : **श्री सेबास्टियन जयराज**, प्रमुख कार्यपालक अभियंता, 10बायोसिस्टम्स, अक्तूबर 19, 2011.
- **प्रकाशवोल्टताविज्ञान:मूलभूत सिद्धांत एवं भावी संभावनाएँ**, वक्ता : **प्रा. एस.अशोक**, पेंसिलवेनिया राज्य विश्वविद्यालय, नवम्बर 3, 2011.
- **पेट्रोल, डिजल एवं घास और पौधों से प्राप्त इथेनॉल जैवईंधन**, वक्ता: **प्रा. राम बी. गुप्ता**, औबर्न विश्वविद्यालय, अमरीका, नवम्बर 16, 2011.
- **नीचे से ऊपर की ओर : अभियाँत्रिकी शिक्षा के पुनर्अभिकल्पन हेतु एक संहत तंत्र उपागम**, वक्ता: **प्रो. रिचर्ड मिलर**, अध्यक्ष, फ्रैकलिन डब्ल्यू. ओलिन कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग, अमरीका, नवम्बर 30,2011.
- **क्रिस्टचर्च भूकंप 2011 से सीख**, वक्ता : **डॉ. एस.आर.उमा**, जी एन एस साइंस, न्यूजीलैण्ड, दिसम्बर 20, 2011.
- **अनुसंधान के अवसर एवं कुछ खाद्य अभियाँत्रिकी प्रक्रियाओं में चुनौतियाँ**, वक्ता: **प्रा.मुकुन्द कर्वे**, रूतगर्स विश्वविद्यालय, अमरीका, दिसम्बर 30, 2011.
- **आणविक केन्द्रक एवं तारे**, वक्ता: **प्रा. उमेश गर्ग**, नाटर्डम विश्वविद्यालय, अमरीका, जनवरी 12, 2012.
- **दीर्घ-वृत्ताकार आंशिक अवकल समीकरण का विद्यमानता सिद्धांत**, वक्ता: **प्रा. लुसीओ बोकार्डो**, रोम विश्वविद्यालय, जनवरी 15-17, 2012.
- **प्राचीन भारत में गणित एवं अंधकूप (ब्लैक होल्स)**, वक्ता: **प्रा.समीर बोस**, नाटर्डम विश्वविद्यालय, अमरीका, फरवरी 2-3, 2012.
- **सकल सन्निकटन एवं टेन्सर अपघटन**, वक्ता : **डॉ. जेन स्नैइडर**, मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट, लेइपजिंग, जर्मनी, फरवरी 2, 2012.
- **आयुर्वेद में स्वास्थ्य एवं रोगों की अरैखिक संभावनाएँ**, वक्ता: **डॉ. राम जयसुन्दर**, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, फरवरी 3, 2012.
- **स्टीरियोस्कोपिक 3डी प्रदर्शन हेतु संकेत संसाधन**, वक्ता: **डॉ. निखिल बलराम**, रिक्को इन्नोवेशन्स इंक, अमरीका, फरवरी 8, 2012.
- **शिक्षा में ई-लर्निंग**, वक्ता: **डॉ. मेरिएल ग्रॉसबोइस**, DILTEC, यूनिवर्सिटै सोरबोन्ने नौवेल्ले, फरवरी 15,2012.
- **प्रक्रिया उद्योग में रणनीतिक योजना हेतु एक बहु-काल इष्टतमीकरण आधृत निर्णय समर्थित तंत्र**, वक्ता: **प्रा. गौतम दत्ता**, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, फरवरी 23, 2012.
- **जादू और बहुसंख्य संस्कृति**, वक्ता : **डॉ. रणधीर मित्रा**, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय एवं पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में पहले काम कर चुके, मार्च 1, 2012.
- **क्या पुनर्नव्य ऊर्जा स्रोतों से भविष्य में भारत की विद्युत जरूरतें पूरी होंगी ?**, वक्ता : **प्रा एस. पी. सुखात्मे**, विशिष्ट मानद प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर, मार्च 14-15, 2012.
- **इंजनों में उभरती प्रवृत्तियाँ**, वक्ता : **प्रा. प्रमोद मेहता**, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, मार्च 19, 2012.
- **भारत में अन्वेषण की स्थिति और उच्च शिक्षा**, वक्ता : **प्रा. श्याम सुन्दर**, येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मार्च 23, 2012.